अधिवक्ताओं की सामाजिक स्थिति पर दिया जाए ध्यान

गंगरार। अधिवक्ताओं को अपने क्लाइंट से एक भरोसे का रिश्ता बनाए रखना चाहिए।एक अधिवक्ता के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि आम जन-मानस में एक भरोसेमंद की छवि हम स्थापित कर सकें। यह विचार चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के विधि संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार मित्तल ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता कही। उन्होंने अधिवक्ताओं के

सामाजिक स्थिति एवं न्यायालय में विधिक स्थिति के बारे में ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। प्रो. मित्तल ने अधिवक्ताओं के कर्तव्यों एवं व्यवसाय नीति पर भी अपने विचार दिए। फैकल्टी ऑफ लीगल स्टडीज, मेवाड़ विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष प्रो. पी, एस. वार्ष्णेय ने विधिक शिक्षा को प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत बताई। मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, गाजियाबाद के प्राचार्य प्रो. संजय सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा संचालन कार्यक्रम के संयोजक विधि विभाग के विभागाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सोलंकी ने किया। इस अवसर पर विधि विभाग की सहायक प्रोफेसर लविना चपलोत, शिरीष शुक्ला, गीतांजली शर्मा, सुप्रिया चौधरी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Dainik Navajyoti 10-02-2022

व्याख्यान • मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग की ओर से व्याख्यानमाला आयोजित

अधिवक्ताओं की सामाजिक स्थिति के बारे में ध्यान दिए जाने की आवश्यकता : प्रो. मित्तल

भास्कर संवाददाता | गंगरार

अधिवक्ताओं को अपने क्लाइंट से एक भरोसे का रिश्ता बनाए रखना चाहिए। एक अधिवक्ता के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि आम जन-मानस में एक भरोसेमंद की छवि हम स्थापित कर सकें। उक्त बातें चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के विधि संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार मित्तल ने

मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता कही। व्याख्यानमाला के पहले दिन का विषय था 'विधिक शिक्षा एवं व्यवसाय के विकास में भारतीय विधि परिषद् की भूमिका'। उन्होंने अधिवक्ताओं की सामाजिक स्थिति एवं न्यायालय में विधिक स्थिति के बारे में ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। प्रो. मित्तल ने अधिवक्ताओं के कर्तव्यों एवं व्यवसाय नीति पर भी अपने विचार दिए। फैकल्टी ऑफ लीगल स्टडीज, मेवाड़ विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष प्रो. पीएस वार्ष्णेय ने विधिक शिक्षा को प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत बताई। मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, गाजियाबाद के प्राचार्य प्रो. संजय सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन कार्यक्रम के संयोजक विधि विभाग के विभागाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सोलंकी ने किया। इस अवसर पर विधि विभाग की सहायक प्रोफेसर सुश्री लविना चपलोत, शिरीष शुक्ला, गीतांजली शर्मा, सुप्रिया चौधरी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Dainik Bhaskar 10-02-2022

मेवाड़ यूनिवर्सिटी के विधि विभाग की व्याख्यान माला प्रारंभ

गंगरार। अधिवक्ताओं को अपने क्लाइंट से एक भरोसे का रिश्ता बनाए रखना चाहिए। एक अधिवक्ता के रुप में यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि आम जन-मानस में एक भरोसेमंद की छवि हम स्थापित कर सकें। यह बात चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के विधि संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार मित्तल ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा विधिक शिक्षा एवं व्यवसाय के विकास में भारतीय विधि परिषद् की भूमिका विषय पर आयोजित पहले दिन की व्याख्यान माला के दौरान कही। उन्होंने अधिवक्ताओं के सामाजिक स्थिति एवं न्यायालय में विधिक स्थिति के बारे में ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। प्रो. मित्तल ने अधिवक्ताओं के कर्तव्यों एवं व्यवसाय नीति पर भी अपने विचार व्यक्त किये। व्याख्यान माला के दौरान फैकल्टी ऑफ लीगल स्टडीज, मेवाड़ विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष प्रो. पीएस वाजपेयी ने विधिक शिक्षा को प्रोत्साहित किए जाने की जरुरत बताई। कार्यक्रम में मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ गाजियाबाद के प्राचार्य प्रो. संजय सिंह, विधि विभाग के विभागाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सोलंकी, विधि विभाग की सहायक प्रोफेसर लविना चपलोत, शिरीष शुक्ला, गीतांजली शर्मा, सुप्रिया चौधरी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Jannayak 10-02-2022